

प्रेषक,

हरिश्चन्द्र जोशी,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
विद्यालयी शिक्षा,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

माध्यमिक शिक्षा अनुभाग-3

देहरादून दिनांक: 16 जनवरी, 2008

विषय:- राजीव गाँधी नवोदय विद्यालय, हरिद्वार के भवन निर्माण हेतु धनराशि की स्वीकृति के विषयक।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या: 27485/5ख1/18/रा0गा0न0वि0/2007-08; दिनांक: 27.08.2007 एवं पत्रांक: 46285/5ख1/1/रा0गा0न0वि0/2007-08; दिनांक: 08.11.2007 के संदर्भ में शासनादेश संख्या: 109/माध्यमिक/2004; दिनांक: 18.03.2004 तथा शासनादेश संख्या: 649/XXIV-3/2006/2(81)/2005 दिनांक: 18.12.2006 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय राजीव गाँधी नवोदय विद्यालय, हरिद्वार के भवन निर्माण हेतु उ0प्र0रा0न0नि0 लि0, हरिद्वार इकाई, हरिद्वार द्वारा गठित पुनरीक्षित आगणन की अनुमोदित लागत रू0 1345.00 लाख के सापेक्ष में पूर्व स्वीकृत धनराशि रू0 989.00 लाख की धनराशि को समायोजित करते हुए देय अवशेष धनराशि रू0 356.00 लाख के सापेक्ष चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 में रू0 150.00 लाख (रुपये एक सौ पचास लाख मात्र) की धनराशि को शासनादेश संख्या: 1010/XXIV-3/2007/02(20)2007, दिनांक: 03 अगस्त, 2007 द्वारा प्रश्नगत योजना में आपके निवर्तन पर रखी गयी धनराशि रू0 1050.00 लाख में से नियमानुसार व्यय करने की सहर्ष स्वीकृति निम्न प्रतिबन्धों के अधीन प्रदान करते हैं :-

- (1)- आगणन में उल्लिखित दरों का विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों को जो दरें शिड्यूल आफ रेट में स्वीकृत नहीं हैं अथवा बाजार भाव से ली गई हों, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता से अनुमोदन करना आवश्यक होगा। तदोपरान्त ही आगणन की स्वीकृति मान्य होगी।
- (2)- कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, बिना प्राविधिक स्वीकृति के किसी भी दशा में कार्य प्रारम्भ न किया जाय।
- (3)- कार्य पर उतना ही व्यय किया जाय जितना स्वीकृत नार्म है, स्वीकृत नार्म से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।
- (4)- एक मुश्त प्राविधान को कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृत प्राप्त करने के उपरान्त ही कार्य टेकअप किया जाये।
- (5)- कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकताएं तकनीकी दृष्टि के मददे नजर रखते हुए एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित कराना सुनिश्चित करें।

अभि

कमरा:.....2

(2)

- (6)– कार्य कराने से पूर्व स्थल का भली-भांति निरीक्षण उच्च-अधिकारियों एवं भूगर्ववेत्ता के साथ अवश्य करा लें। निरीक्षण के पश्चात स्थल पर आवश्यकतानुसार एवं प्राप्त निर्देशों तथा निरीक्षण रिपोर्टों के अनुरूप कार्य किया जाय।
- (7)– आगणन में जिन मदों हेतु जो राशि स्वीकृत की गई है, उसी मद पर व्यय किया जाय, एक मद का दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जाय।
- (8)– निर्माण सामग्री को प्रयोग में लाने से पूर्व सामग्री का किसी प्रयोगशाला से टेस्टिंग करा लिया जाय तथा उपयुक्त पायी जाने वाली सामग्री को ही प्रयोग में लाया जाये।
- (9)– जी0पी0डब्लू0 फार्म 9 की शर्तों के अनुसार निर्माण इकाई को कार्य सम्पादित करना होगा तथा समय से कार्य को पूर्ण न करने पर 10 प्रतिशत की दर से आगणन की कुल लागत का निर्माण इकाई से दण्ड वसूल किया जायेगा।
- (10)– मुख्य सचिव, उत्तरांचल शासन के शासनादेश संख्या: 2047/XIV-219 (2006) दिनांक: 30.05.2006 द्वारा निर्गत आदेशों के क्रम में कार्य कराते समय अथवा आगणन गठित करते समय कड़ाई से पालन कराया जाना सुनिश्चित करें।
- (11)– निर्माण की गुणवत्ता के लिए संबंधित निर्माण एंजेन्सी उत्तरदायी होगी। अनुमोदित लागत पर ही निर्माण कार्य को पूरा किया जाय।
- (12)– निर्माण कार्यों की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति के विवरण प्रत्येक माह की 15 तारीख तक निर्माण संस्था द्वारा विभागाध्यक्ष/संस्था को उपलब्ध कराये जायेंगे।
- (13)– विभाग निर्माण कार्य की गुणवत्ता/प्रगति की चेकिंग की कार्यों की व्यवस्था थर्ड पार्टी से करायेंगे तथा इसका व्यय सेन्टेज चार्ज में निहित धनराशि से वहन करना होगा।
- 2.– इस संबंध में होने वाला व्यय बालू वित्तीय वर्ष 2007-08 के आय-व्ययक में अनुदान संख्या:11 के अधीन लेखाशीर्षक-4202-शिक्षा, खेल-कूद तथा संस्कृति पर पूंजीगत परिव्यय-01-सामान्य शिक्षा-202-माध्यमिक शिक्षा-आयोजनागत-00-16-राजीव गाँधी नवोदय विद्यालय के भवनों का निर्माण-24-वृहद निर्माण कार्य के नामें डाला जायेगा।
- 4.– यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या: 476(P)/वित्त/3/2007 दिनांक: 04 जनवरी, 2008 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(हरिश्चन्द्र जोशी)
सचिव

संख्या: 1066 / (1)/XXIV-3/2007 तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 2- निजी सचिव, मा0 मुख्य मंत्री जी, उत्तराखण्ड शासन।
- 3- निजी सचिव, मा0 शिक्षा मंत्री जी, उत्तराखण्ड शासन।
- 4- निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
- 5- आयुक्त, गढ़वाल मण्डल- पौड़ी।



क्रमशः.....3

- 6- मण्डलीय अपर शिक्षा निदेशक, गढ़वाल मण्डल - पौड़ी।
- 7- बजट, राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, सचिवालय।
- 8- जिलाधिकारी, हरिद्वार।
- 9- कोषाधिकारी, हरिद्वार।
- 10- जिला शिक्षा अधिकारी, हरिद्वार।
- 11- संबंधित निर्माण एजेन्सी।
- 12- वित्त विभाग/नियोजन प्रकोष्ठ, उत्तराखण्ड सचिवालय।
- 13- कम्प्यूटर सेल (वित्त विभाग), उत्तराखण्ड शासन।
- 14- एन0आई0सी0 सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 15- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,



(पी0एल0शाह)
उप सचिव